दर पे आये साई टोलियां | Sandeep Ganglas

जय साई, जय साई, जय साई , जय साई
जय साई, जय साई, जय साई , जय साई

दर पे आये साई टोलियां
बच्चे बूढ़े छोटे बड़े सब
भरके जाए साईं झोलियाँ

जिसने दिल में तुमको बसाया
उसको तुमने दर्श कराया
श्रद्धा सबुरी का ही तुमने
सब भक्तों को पाठ पढ़ाया
हिन्दू मुस्लिम सिख और ईसाई
सबके साथ ही हो लिया

सबका मालिक एक है साईं
तुमने ही ये भेद बताया
वो मूरख है और अज्ञानी
समझ के भी जो समझ ना पाया
रखता है सबका लेखा जोखा
भक्त सुनाये यही बोलियां

जलवा है तेरा नूरानी
इस जलवे की दुनिया दीवानी
सबकी लिखता करम कहानी
तेरा नहीं है कोई भी सानी
तेरे कैसे खेल निराले
खेलें आँख मिचौलियाँ

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a5%87-%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a5%87-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%88-%e0%a4%9f%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%82-sandeep-ganglas/